॥ श्री महावीरस्वामिने नमः ॥ ॥ श्री नाकोडा पार्श्वनाथाय नमः ॥
॥ श्री जिनकुशल गुरुदेवाय नमः ॥ ॥ श्री राजेन्द्रसूरि गुरुदेवाय नमः॥
॥ श्री लक्ष्मण गुरुदेवाय नमः ॥ ॥ श्री लोकेंद्र गुरुदेवाय नमः ॥

मंगल दीपावली

मंगल वर्षाभिनंदन

वीर संवत
2551

श्री महावीरस्वामी
निर्वाण पर्व.....

श्री गौतमस्वामी
.....केवलज्ञान पर्व

हार्दिक शुभकामनाएं...

दीपों की जगमगाती बातियां हमें संदेश देती है कि समस्त समाज में प्रेम, महत्व और अपनेपन का उजाला फैले | दीपो का प्रकाश सबके ध्येय-मार्ग को रोशनी से जगमगा दे | जीवन मंगलमय, आनंद और अपनत्व की शुभकामना से भर जाए | दीप-पर्व की यही शुभ कामना है कि सबको मनचाही उन्नति, मनचाहा सुख मिले | सब सुखी आनंदित व प्रसन्न रहे |

प.पू. मुनिराज डॉ. श्री लाभेश विजयजी म.सा.

.....जैन लक्ष्मी पूजन विधि....

॥ ॐ अर्हम् नमः ॥

श्री
श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

श्री शुभ श्री लाभ

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥ ॥ श्री शांतिनाथाय नमः ॥
॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः ॥ ॥ श्री महावीरस्वामिने नमः ॥
॥ श्री सद्गुरुभ्यो नमः ॥

श्री गौतमस्वामीजी की लब्धि, श्री भरत चक्रवर्ती की ऋद्धि, श्री अभयकुमार की बुद्धि, श्री कयवन्ना सेठ का सौभाग्य, श्री धन्ना शालिभद्र की संपत्ति, श्री बाहुबली का बल तथा श्रेयांसकुमार की दानवृत्ति प्राप्त होजोजी ।

॥ श्री सरस्वत्यै माताय नमः ॥ ॥ श्री लक्ष्मी माताय नमः ॥

.....पूजन दिन	नूतन वर्ष.....
कार्तिक वद अमावस्या, शुक्रवार	कार्तिक सुद 1, शनिवार
01st NOVEMBER 2024	02nd NOVEMBER 2024

सुपारी, लौंग, इलायची, कुंकुम, वासक्षेप, अक्षत (चावल), श्रीफल (नारियल), फूल, घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, जल, फल (Fruit), ईख (Sugar Cane), नैवद्य (मिठाई), लक्ष्मी (झाडु), लाभ (लाह्या) बत्तासा, मोली, आरती के लिए कपूर।

- पूजा करनेवाला घर का मुखिया तीन नवकार मंत्र का जाप करके हाथ में मोली बाँधे ।
  फोटो, सिक्के इनको तिलक लगाएँ अक्षदा चढावे ।
- गद्दी की दाहिनी तरफ घी का दीया और बायीं तरफ धूप अगरबत्ती लगाएँ और साईड में ईख (Sugar cane) खडा रखें ।
- नवकार मंत्र बोलते-बोलते पेन, दीया, कलश, लक्ष्मी, ईख (Sugar cane) इ. को मोली बांधे । कुंकुम से तिलक करें ।
- नई बही के पहले पन्नेपर बाजु की चौकट का मायना लिखें ।
- लिखने के बाद कुंकुम से स्वस्तिक निकालें । नई बहियाँ पिछले वर्ष की अकाऊंट की एक बही, बिल बुक, चेक पुस्तक, लक्ष्मी इत्यादि सभी पर डंढल सहित एक पर एक दो पान रखें उस पर एक रुपया और उस पर सुपारी, लौंग, इलायची रखें। हाथ में पानी लेकर बही के चारों ओर घुमावे । वासक्षेप, कुंकुम मिश्रित चावल दाने हाथ में लेकर निम्न श्लोक और मंत्र बोलें । मंगलं भगवान वीरो, मंगलं गौतम प्रभुः । मंगलं स्थूल भद्राद्या, जैन धर्मोस्तु मंगलम् ॥
  मंत्र ॐ आर्यावर्ते, आस्मिन् जंबूद्वीपे दक्षिणार्धभरते भरतक्षेत्रे - भारतदेशे (पूना) नगरे ममगृहे श्री शारदा देवी, श्री लक्ष्मीदेवी आगच्छ आगच्छ, तिष्ठ तिष्ठ स्वाहा ।
  अक्षदा (अक्षत) बहीपर अर्पण करें। बाद में निम्नलिखित स्तुति का पठन करें ।

॥ स्तुती ॥

स्वश्रीयं श्रीमद् अरिहंता, सिद्धः पुरीपदम्,
आचार्यः पंचधाचारं, वाचकां वाचनांवराम् ।
साधवः सिद्धी साहाय्यं वितन्वन्तु विवेकिनाम्,

मंगलानां च सर्वेषां आद्यं भवति मंगलम् ।
अर्हंमित्यक्षरं माया, बीजं च प्रणवाक्षरम्, एवं नाना स्वरूपं च, ध्येयं ध्यायन्ति योगिनः ।
हृत्पदं षोडशदलं स्थापितं षोडशाक्षरम् परमेष्ठिस्तुते बीजं, ध्यायेक्षरदूरदं मुदा ।
मंत्रणामादिमं मंत्र, तंत्र विघ्नौघ निग्रहे, ये स्मरन्ति सदैवेनं, ते भवन्ति जिन प्रभा ॥
तत्पश्चात् निम्नलिखित मंत्र जप करते-करते जल, चंदन, पुष्प (फूल), धूप, दीप, अक्षदा (चावल),
फल, नैवेद्य इन आठ वस्तुओं से बही पूजन करें ।
ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै, लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मयै (जलं) समर्पयामि स्वाहा:।
दूसरी बार यही श्लोक बोलते हुए जल की जगह चंदन बोले इस प्रकार आठों ही वस्तुओं के नाम लेकर
आठ बार यह श्लोक बोलें । पूजा में सभी सदस्य खडे होकर निम्नलिखित प्रार्थना बोलें ।

॥ श्री सरस्वती स्तोत्र ॥

सकल लोक सुसेवित पंकजा वर यशोर्जित शारद कौमुदी, निखिल कल्मष नाशन तत्परा जयतु सा जगतां जननी सदा ॥
कमल गर्भ विराजित भूधना, मणि किरीट सुशोभित मस्तका, कनक कुंडलभूषित कर्णिका, जयतु सा जगतां जननी सदा ॥
वसुहरिद् गज संस्नपितेश्वरी विधृत सोमकला जगदीश्वरी, जलज पत्र समान विलोचना जयतु सा जगतां जननी सदा ॥
निज सुधैर्य जितामर भूधरा, निहित पुष्कर वृंदल सत्कारा समुदितार्कसद्दत, बल्लिका, जयतु सा जगतां जननी सदा ॥
विविध वांछित कामदुधाद्भूता, विशद पद्म हृदान्तर वासिनी सुमति सागर वर्धन चंद्रिका, जयतु सा जगतां जननी सदा ॥

॥ श्री लक्ष्मी स्तोत्र ॥

नमोस्तुते महालक्ष्मी महासौख्य प्रदायिनी सर्वदा देही मे द्रव्यं, दानाय मुक्ती हेतवे ॥ 1 ॥
धनं धान्य धरां हर्ष, कीर्तिम्, आयुः यशः श्रियम् वाहनाम् दन्तिन् पुत्रान, महालक्ष्मी प्रयच्छ मे ॥ 2 ॥
यन्मया वांछितं देवी, तत्सर्वं सफलं कुरु न बान्ध्यन्ता कुकर्माणि, संकटान्मे निवारय ॥3॥

॥ प्रार्थना ॥

सुंदर आरोग्य निवास करे दृढ तन में आशा, उत्साह, उमंग भरे शुचि मन में ।
न हो अनुचित योग प्रयोग धन साधन में उत्कृष्ट उच्च आदर्श जगे जीवन में ।
तम मिटे, ज्ञानकी ज्योति जगत में छाये । प्रभु ! दिव्य दिवाली भव्य भाव भर लाये ।

.....इसके बाद एक थाली में दीया लेकर कपूर से आरती करे निम्न आरती बोले.....

॥ आरती ॥

सकल जिनंद नमी करी, जिनवाणी मन लाय । सरस्वति लक्ष्मी करू आरती, आतम सुगुरू पसाय ॥
ज्ञान जगत में सार हैं । ज्ञान परम हितकार । ज्ञानसूर्य से होता है,
दुरित तिमिर अपहार श्री सरस्वती प्रभाव से, लहे जगत सम्मा ज्ञान बिना पशु सारिखा, पावे अति
अपमान श्रद्धा मूल क्रिया कही, ज्ञान मूल है तास । पावे शिव सुख आतमा, इससे अविचल वास ॥
अष्टमपद विशति पदे, सप्तम नवपद ज्ञान । तीर्थंकर पदवी लहे, आराधक भगवान ॥
.....आरती के बाद निम्नलिखित अष्टदोहे बोले.....

॥ अष्टदोहे ॥

अमृत से लब्धितणा भंडार । जयगुरू गौतम सरिये, वांछित फल दातार ॥ 1 ॥
प्रभू वचने त्रिपदीलही, सूत्र रचे तेणीवार । चऊदह पूरब माँ रचे, लोकालोक विचार ॥2॥
भगवति सूत्र कर नमी, बंभी लिपि जयकार । लोकलोकोत्तर सुख भणी, वाणी लिपी अढार ॥ 3 ॥
वीर प्रभू सुखिया थया, दिवाली दिन सार । अंतर महूरत तत्क्षणे, सुखिया सहू संसार ॥4॥
केवलज्ञान लहे सदा, श्री गौतम गणधार । सुरनर पर्षदा आगले घट अभिषेक उदार ॥ 5 ॥
सुरवर पर्षदा आगले, भाखे श्री श्रुतनाण । नाथकी जग जाणिये, द्रव्यादिक चौठाण ॥ 6 ॥
श्रुतज्ञान ने पुजिये, दीप धूप मनोहार । वीर आगम अविचल रहो, वर्ष एकवीस हजार ॥7॥
गुरू गौतम अष्टक कही, आणि हर्ष उल्लास । भाव भरी जे समरशे, पुरे सरस्वती आस ॥8 ॥

दीपावली आराधना एवं मंत्र जाप.....

* शुभ दीपावली के आत्मोद्धारक जाप.....

ॐ ह्रीं श्रीं महावीरस्वामी सर्वज्ञाय नमः मध्यरात्रि में 20 माला
ॐ ह्रीं श्रीं महावीरस्वामी पारंगताय नमः प्रातः 4 बजे 20 माला
ॐ ह्रीं श्रीं गौतमस्वामी केवलज्ञानाय नमः प्रातः 4 बजे 20 माला

* गृह शांति के जाप मंत्र.....

ॐ असि आउसा नमः
(सूर्योदय के समय 108 जाप करें गृह कलह दूर होगा)

* सुख-समृद्धि दायक जाप मंत्र•.....

धनत्रयोदशी (धनतेरस) का पूजा मंत्र:
ॐ ह्रीं कुबेराय धनदाय नमः मंत्र जाप 1008 बार करें।

* नूतन वर्ष का श्री गौतमस्वामी का लब्धि मंत्र•.....

ॐ श्रीं ह्रीं अनन्त लब्धि निधानाय गौतमगणधराय नमः
मंत्र जाप 1008 बार करें।

* दीपावली के मंत्र.....

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः 12 माला स्फटिक की
गिनने से दरिद्रता दूर हो-घर में सुख शांति की वृद्धि होती है।

* गुरुदेव जाप मंत्र.....

ॐ ह्रीं श्रीं राजेन्द्र सूरि गुरुदेवाय नमः
सर्व मनोकामना पूर्ति के लिए 108 की 10 माला का जाप करें।

* दीपावली के लाभकारी प्रयोग.....

* हल्दी एवं चावल पीसकर घर के दरवाजे पर ॐ लिखे।
* दीपावली पूजन में 5 पीली कोडीयाँ, 5 गौतमी चक्र और एक काली हल्दी का टुकड़ा रखे, पीले कपडे में बांधकर सुबह Cash Box में रखे।
* दीपावली पूजन में चांदी की कटोरी में कपूर जलाकर आरती करनी चाहिये।
* नौबती वाला दीपक लक्ष्मी के सामने प्रज्ज्वलित करें।
* लक्ष्मी को कमल गट्टे की माला पहनाएं।
* श्री यंत्र की विशेष पूजन करें।

सोना, चांदी, नंग, हीरे, जवेरात आदि
खरीदी एवं चौपडा लाने का मुहूर्त

...कार्तिक वद आठम गुरुवार | गुरुपुष्य...

24th OCTOBER 2024

सुबह 11:00 से 03:15 चल, लाभ, अमृतवेला सिद्धियोग

शाम 04:30 से 08:50 शुभ, अमृत, चल

...कार्तिक वद 11, सोमवार...

28th OCTOBER 2024

सुबह 09:30 से 10:45 तक शुभ वेला

01:41 से 07:30 तक चल, लाभ, अमृत, चल

धनतेरस, धन पूजा, कुबेर पूजा-श्री यंत्र पूजन, लक्ष्मी पूजन,
शुभ वस्तु खरीदी, चौपड़ा लाने का मुहूर्त एवं गादी बिछाने का मुहूर्त

...कार्तिक वद 12, मंगलवार...

29th OCTOBER 2024

सुबह 09.34 से 01.30 चल, लाभ, अमृत वेला

दोपहर 03:40 से 04.44 शुभ वेला

शाम 07:37 से 09.15 लाभ वेला

रात्रि 10.38 से 03.34 तक शुभ, अमृत,चल वेला

05.54 से 08.15 यम दीप दान, श्री पूजन

धन त्रयोदशी, हस्त नक्षत्र, उ.फा. नक्षत्र, लक्ष्मी पूजन के लिये उत्तम दिन

काली चौदस, घंटाकर्ण हवन, भैरव पूजन, दश महाविद्या की
आराधना, मशीनरी पूजन, तंत्र के लिए उत्तम दिन

...कार्तिक वद 13 बुधवार...

30th OCTOBER 2024

सुबह 07 से 10 लाभ, अमृत वेला

सुबह 11 से 12:39 शुभ वेला

दोपहर 03 से 06 बजे तक चल, लाभ वेला

रात्रि 07.30 से 12.00 तक शुभ, अमृत,चल वेला

दीपावली-लक्ष्मी-शारदा-चौपडा पूजन

...कार्तिक वद -14 गुरुवार...

31st OCTOBER 2024

सुबह 06:45 से 08.10 शुभ वेला

सुबह 10:59 से 03:12 तक चल, लाभ, अमृत वेला

दोपहर 04:39 से 09:12 शुभ, अमृत, चल वेला

रात 11:49 से 01:42 लाभ वेला

रात 03:19 से 06:33 शुभ, अमृत वेला

वृषभ लग्न.....
06:30 से 08.30

सिंह लग्न.....
01:18 से 03:31

...2081 कार्तिक कृष्ण 30 अमावस्या शुक्रवार...

01st NOVEMBER 2024

सुबह 6.51 से 11 बजे तक लाभ अमृत वेला

दोपहर 11.59 से 12.44 अभिजित वेला

दोपहर 12.22 से 1.44 शुभ वेला

शाम 5.52 से 8.16 तक प्रदोष वेला

रात्रि 9.10 से 10.44 लाभ वेला

रात्रि 12.24 से 3.36 तक शुभ-अमृत वेला

वृषभ लग्न.....
6.30 से 8.30

सिंह लग्न.....
01.18 से 03.34 तक

नूतन वर्ष पेढ़ी खोलने का मुहूर्त.....

कार्तिक सूद 1, शनिवार : 02 November 2024

सुबह 8:15 से 9:35 शुभवेला,

दोपहर 12:5 से 4:12 तक चल, लाभ, अमृत

कार्तिक सूद 5, 06 November 2024

कार्तिक सुद पंचमी लाभ पंचमी सौभाग्य पंचमी

8 से 9:30 तक चल, वेला ज्ञान पंचमी । 10:42 से 12:04 शुभवेला

कार्तिक सूद 7, 08 November 2024

सुबह 7:00 से 10:50 तक चल, लाभ अमृतवेला

.....गुरुदेव का अभिमंत्रित वासक्षेप के लाभार्थी.....

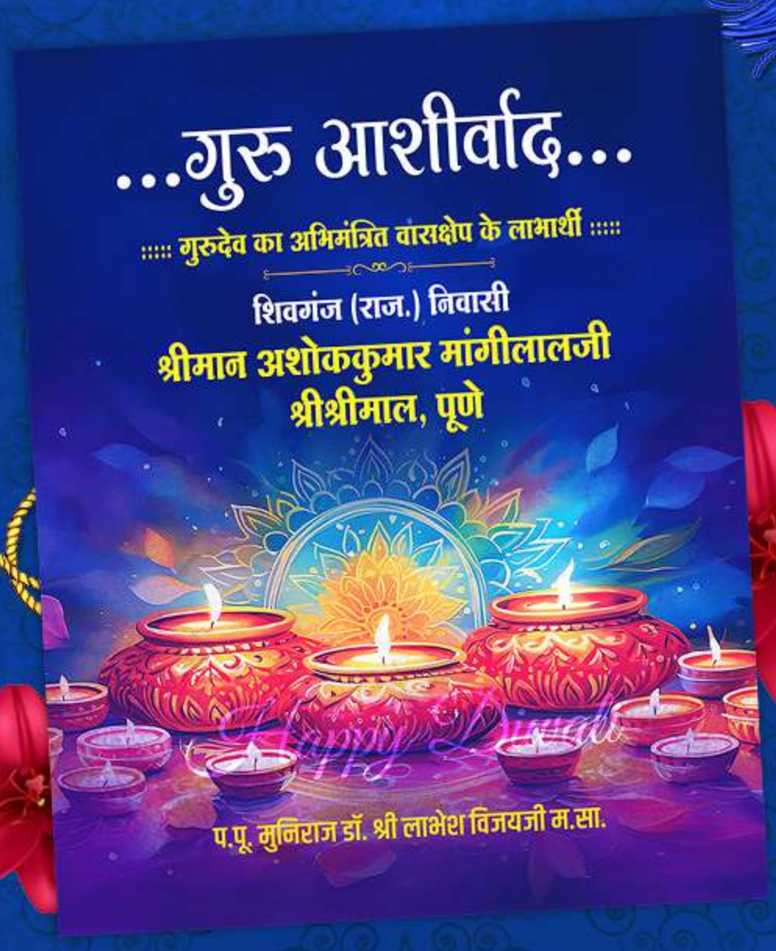

शिवगंज (राज.) निवासी

मातुश्री लीलाबाई मांगीलालजी श्रीश्रीमाल,
मातुश्री पवनबाई मांगीलालजी श्रीश्रीमाल

पुत्र : अशोक, प्रवीण, हितेश | पुत्रवधु : अंजु अशोक, शर्मिला प्रवीण, सपना हितेश | पौत्र : मेहुल, रोनीत, स्व.लवीश
पौत्रवधु : जिनल मेहुल, आयुषी रोनित | पौत्री : लिशा, लब्धि, लतिशा | परपौत्री : जिनाया मेहुल श्रीश्रीमाल
एवं समस्त श्रीश्रीमाल परिवार

VEE FITTINGS

.....प्रतिष्ठान.....
वि फिटिंग्स, पूणे | नयन ज्वेलर्स, पूणे

.....दीपावली सन् 2024.....

31st Oct. 2024 Thursday **Or** **01st** Nov. 2024 Friday

कार्तिक वदी, अमावस्या दिनांक 01-11-2024, शुक्रवार को जहां पर सूर्यास्त के पश्चात् एक घडी (24 मिनिट) से अधिक अमावस्या रहेगी वहाँ इसी दिन 01-11-2024 को दिवाली मनाना शास्त्र सम्मत होगा। लेकिन जहाँ 01-11-2024 को सूर्यास्त के बाद अमावस्या 1 घडी (24 मिनिट) से कम होगी। (इष्ट स्थल /नगर/गांव) वहाँ एक दिन पूर्व कार्तिक वदी 14, गुरुवार, 31-10-2024 को मनाई जायेगी।

कौनसे राज्य में कब दिवाली मनाई जाएगी ?

.....Thursday 31st October 2024.....

मुंबई, पूणे, अहमदाबाद, सूरत, नाशिक, हुबली, दावणगिरि, केरल

.....Friday 01st November 2024.....

जोधपुर, जयपुर, उदयपुर, इन्दौर, भोपाल, बैंगलोर, हैदराबाद, हरिद्वार, कलकत्ता, (म.प्र. | राज.)

दिपावली एवं नूतनवर्ष सह

.....हार्दिक शुभकामनाएं.....

MB

MANGAL

BUILDERS

BUILDING BELIEF & TRUST

मंगल महालक्ष्मी

1–2 BHK आणि शॉप

वाघोली

मंगल कलश

वाघोली

MANGAL SHANTI

MANSHA

2 BHK Homes, Wagholi

MANGAL BUILDERS

Mr. Ashok Gundecha **Mr.Rajesh Gundecha** **Mr.Namo Gundecha**

287/2, Timber Market, Near Sonmarg Theatre, Pune 42.

SUJAL ARTS 8080446754 | 9834815633